अमर उजाला

लखनऊ। बुधवार। 23 जुलाई 2014

गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने में अधिकारियों की भूमिका अहम

लखनऊ (ब्यूरो)। गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों का प्रशिक्षण जरूरी है। ये बात इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने कही। वे गन्ना विकास अधिकारियों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। यह शिविर मंगलवार को संपन्न हो गया।

आईआईएसआर में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सोलोमन ने क हा कि प्रशिक्षित अधिकारी केवल गन्ना विकास के लिए ही काम नहीं करेंगे, बल्कि भविष्य में ये सभी नवीन गन्ना उत्पादन तकनीक को किसानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण शिविर में देशभर की चीनी मिलों के गन्ना विकास अधिकारियों ने भाग लिया।

आईआईएसआर में गन्ना विकास अधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर का समापन

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को नवीनतम उत्पादन तकनीक के अलावा गन्ने की उन्नत प्रजातियां, बीज उत्पादन, बुवाई विधियां, पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ प्रबंधन आदि को विस्तारपूर्वक समझाया गया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एके शाह ने बताया कि गन्ना विकास कार्यकर्ताओं को मिट्टी जांच तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए संस्थान में मंगलवार से डीएमसीएल चीनी मिलों का सात दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। इसमें 10 प्रतिभागी शामिल हैं।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ ।
बुधवार,23 जुलाई 2014

गन्ने की खेती की दी गईं जानकारियां

■ **वि. लखनऊः** चीनी मिलों में कार्यरत गन्ना विकास अधिकारियों के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में हुई 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया। संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने कहा कि भविष्य में ये अधिकारी नवीन गन्ना उत्पादन तकनीक पर जानकारी को किसानों तक पहुंचाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न चीनी मिलों के 15 गन्ना विकास अधिकारियों को गन्ने की उन्नत प्रजाति, बीज उत्पादन, बुवाई विधियों, आधुनिक गन्ना खेती मशीन और प्रजाति नियोजन की जानकारी दी गई। गन्ना अधिकारी अब अपने इलाके में जाकर किसानों को ये जरूरी जानकारियां दे सकेंगे। डॉ. साह ने यह भी बताया कि मिट्टी जांच की जानकारी देने के लिए संस्थान में मंगलवार से सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ है।

आज

लखनऊ, २३ जुलाई, २०१४

गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

लखनऊ, मंगलवार (आज समाचार सेवा)। चीनी मिलों में कार्यरत गन्ना विकास अधिकारियों के लिए आयोजित 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में संपन्न हो गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डा0 सुशील सोलोमन ने प्रशिक्षित अधिकारियों को संस्थान का राजदूत बताया तथा कहा कि भविष्य में ये सभी अधिकारी नवीन गन्ना उत्पादन तकनीक पर जानकारी को किसानों तक पहुँचाने में अहम योगदान देंगे। इस प्रशिक्षण के उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए निदेशक ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रभारी डा0 ए0 के0 साह, प्रधान वैज्ञानिक तथा उनकी टीम को बधाई दिया। साथ ही यह भरोसा दिलाया गया कि आगे भी गन्ना किसानों तथा गन्ना विकास अधिकारियों को नवीनतम जानकारी से अवगत कराने के लिए यह संस्थान अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। यह जानाकारी आज यहां संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न चीनी मिलों के 15 गन्ना विकास अधिकारियों ने भाग लेकर गन्ना के नवीनतम उत्पादन तकनीकों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त किया। गन्ना के उन्नत प्रजाति, बीज उत्पादन, उन्नत बुवाई विधियाँ, पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ प्रबंधन, नाशी कीट व बीमारी प्रबंधन, आधुनिक गन्ना खेती मशीन, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, गन्ना विपणन एवं विकास, समेकित संचार प्रणाली, प्रजाति नियोजन व कटाई समय सारिणी इत्यादि पर सैद्धान्ति एवं प्रायोगिक महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान किया गया। तथा उम्मीद है कि इन जानकारीयों का लाभ उठाकर प्रशिक्षित गन्ना अधिकारी अपने-अपने चीनी मिल क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल तथा उपज बढ़ाते हुए अधिक चीनी उत्पादन कर पायेंगे जिससे गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। साथ ही चीनी उद्योग भी और मजबूत हो पाएगा। डा0 ए0 के0 साह, ने यह भी बताया कि चीनी मिलों के गन्ना विकास कार्यकर्ताओं को मिट्टी जांच तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में आज दिनांक 22 जुलाई 2014 को सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसमें डी. एस. सी. एल. चौनी मिलों के दस अधिकारी भाग ले रहे हैं।

www.samaylive.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

लखनऊ | बुधवार • 23 जुलाई • 2014

प्रशिक्षित देंगे गन्ना किसानों को ज्ञान

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा संस्थान परिसर में चीनी मिलों में कार्यरत गन्ना विकास अधिकारियों के लिए आयोजित 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को सम्पन्न हो गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने प्रशिक्षित अधिकारियों को संस्थान का राजदूत बताते हुए कहा कि भविष्य में यह सभी अधिकारी नवीन गन्ना उत्पादन तकनीक पर जानकारी को किसानों तक पहुंचाने में अहम योगदान देंगे।

■ गन्ना अनुसंधान संस्थान में प्रशिक्षण सम्पन्न

इस प्रशिक्षण की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए डा. सोलोमन ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रभारी प्रधान वैज्ञानिक डा. एके साह व उनकी टीम को बधाई दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न चीनी मिलों के 15 गन्ना विकास अधिकारियों ने भाग लिया। गन्ना उन्नत प्रजाति, बीज उत्पादन, उन्नत बुवाई विधियाँ, पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ प्रबंधन, नाशी कीट व बीमारी प्रबंधन, आधुनिक गन्ना खेती मशीन, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, गन्ना विपणन एवं विकास, समेकित संचार प्रणाली, प्रजाति नियोजन व कटाई समय सारिणी पर सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। डा. एके साह ने बताया कि चीनी मिलों के गन्ना विकास कार्यकर्ताओं को मिट्टी जांच तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए संस्थान में मंगलवार को सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, बुधवार, 23 जुलाई 2014

गन्ना किसानों को देंगे नई जानकारी

लखनऊ। चीनी मिलों में कार्यरत गन्ना विकास अधिकारियों के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चल रहा 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को सम्पन्न हो गया।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में गन्ना विकास अधिकारियों का चल रहा 21 दिवसीय गन्ना प्रबंधन और विकास संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करते निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ।

इस अवसर पर समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए आइआइएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने प्रशिक्षित अधिकारियों को संस्थान का राजदूत बताते हुए कहा कि भविष्य में ये सभी अधिकारी नवीन गन्ना उत्पादन संबंधी तकनीक की जानकारी किसानों तक पहुँचाने में अहम योगदान देंगे। साथ ही यह भरोसा दिलाया गया कि आगे भी गन्ना किसानों और गन्ना विकास अधिकारियों को नवीनतम जानकारी से रुबरु कराने के लिए यह संस्थान अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

गौरतलब हो कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम

समारोह

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय प्रशिक्षण संपन्न

में विभिन्न चीनी मिलों के 15 गन्ना विकास अधिकारियों ने भाग लेकर गन्ना के नवीनतम उत्पादन तकनीकों पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त किया। गन्ना के उन्नत प्रजाति, बीज उत्पादन, उन्नत बुवाई विधियाँ, पोषक तत्व व मृदा स्वास्थ प्रबंधन,कीटनाशी,बीमारी प्रबंधन, आधुनिक गन्ना खेती मशीन, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, गन्ना विपणन एवं विकास, समेकित संचार प्रणाली, प्रजाति नियोजन व कटाई समय सारिणी इत्यादि पर सैद्धान्ति एवं प्रायोगिक महत्वपूर्ण जानकारी को विस्तारपूर्वक प्रदान की गई।

इस मौके पर डॉ. सोलोमन ने उम्मीद जताते हुए कहा कि उक्त जानकारियों का लाभ उठाकर प्रशिक्षित गन्ना अधिकारी अपने-अपने चीनी मिल क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल तथा उपज बढ़ाते हुए अधिक चीनी उत्पादन कर पायेंगे जिससे गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। साथ ही चीनी उद्योग भी और मजबूत हो पाएगा। आइआइएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए के साह ने बताया कि चीनी मिलों के गन्ना विकास कार्यकर्ताओं को मिट्टी जांच तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तकनीकों पर प्रायोगिक जानकारी देने के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ,जिसमें डीएससीएल चीनी मिलों के दस अधिकारी हिस्सा ले रहे है। ***वसं.***